हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 23 जून 2025

तापमान
अधिकतम 36.5 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

9 रेवाड़ी पहुंची रेजांगला पराक्रम यात्रा का युद्ध स्मारक पर स्वागत ...

10 सुकुन भरी रातों में सो रहे चैन की नींद, दिन में उमस भरी गर्मी छुड़ा रही पसीना

गर्मी के मौसम में आंधी चलने पर पेड़ों में फंसे बिजली के तारों से होते फाल्ट

शहर की सड़कों पर बाधा बन रही पेड़ों की टहनियां नप कार्यालय में शोपीस बनकर खड़ी ट्रीमिंग मशीन

■ नगर परिषद परिसर में 4 महीने से खड़ी ट्रीमिंग मशीन का नहीं हो रहा यूज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नगर परिषद की ओर से शहर के पेड़ों की कटाई-छंटाई के लिए स्काई लिफ्ट ट्री मेंटेनेंस मशीन यानि ट्रीमिंग मशीन तथा प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वाटर स्प्रिंकलर मशीन यानि एंटी स्मॉग मशीन खरीदी जा चुकी है। दोनों मशीनों को खरीदे हुए 4 महीने से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन इन मशीनों का आज तक यूज नहीं किया गया है और न ही अभी तक मशीनों की आरसी भी तैयार हो पाई है, जबकि नगर परिषद चेयरपर्सन की ओर से पिछले दिनों दोनों मशीनों को कार्य के लिए हरी झंडी दिखाई जा चुकी है। इससे पहले भी नगर परषिद के डंपर बिना आरसी के कंडम हो चुके है। नप अधिकारियों की ओर से दोनों मशीनों को बार-बार जगह बदल कर खड़ा किया जा रहा है। पहले ये मशीनें नगर परिषद कार्यालय में खड़ी रही अब इन दोनों मशीनों को महाराणा प्रताप चौक के पास स्थित सफाई शाखा में पड़े कबाड़ के पास लाकर खड़ा कर दिया गया है। नगर परिषद की ओर से करीब 30 लाख कीमत स्काई लिफ्ट ट्री मेंटेनेंस मशीन व 40 लाख रुपये कीमत की वाटर स्प्रिंकलर मशीन खरीदी गई थी।

रेवाड़ी। नगर परिषद सफाई शाखा में खड़ी ट्रीमिंग व एंटी स्मॉग मशीन, नगर परिषद सफाई शाखा में मशीनों के पास पड़ा कबाड़, सचिवालय रोड पर लटकती पेड़ों की टहनियां। फोटो :हरिभूमि

प्रदूषण कंट्रोल के लिए खरीदी एंटी स्मॉग मशीन

हालांकि एंटी स्मॉग मशीन की जरूरत बढ़ते प्रदूषण के समय ज्यादा होती है। इस समय वातावरण बिल्कुल साफ चल रहा है, इसलिए इस मशीन की अभी ज्यादा जरूरत नहीं पड़ने वाली है। आगामी गर्मी के सीजन में आंधी व उड़ती धूल को रोकने के लिए एंटी स्मॉग मशीन का इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन अब नवंबर-दिसंबर के समय वायु प्रदूषण बढ़ने पर संकट होने पर एंटी स्मॉग मशीन काफी काम आने वाली है। संसाधन के अभाव में नगर परिषद को फायर ब्रिगेड व ट्रैक्टरों की सहायता से मदद से पेड़ों और अन्य जगह पर पानी का छिड़काव करना पड़ रहा था, लेकिन अब एंटी स्मॉग मशीन मिलने से सुविधा हो गई है।

सड़कों के साथ गुजरती लाइनों से खतरा

सड़कों के किनारे लगभग सभी रोड के समानांतर बिजली की लाइनें गुजर रही हैं। इन लाइनों से पेड़ों की टहनियां सटी हुई हैं। ऐसे ही हालात गांवों के आम रास्तों से गुजरने वाली बिजली की लाइनों के बने हुए हैं। कई जगह पर तो लाइनों के सभी तार पेड़ों के बीच से गुजर रहे हैं। बरसात के समय पेड़ गीला होने की सूरत में हादसों का कारण साबित हो सकते हैं। शहर में जितने भी बिना नंबर के पेड़ है, वह सब नगर परिषद के अधीन आते है। इनकी कटाई-छंटाई का कार्य नगर परिषद को कराना होता है। नगर परिषद को ट्रीमिंग मशीन मिलने के बाद भी पेड़ों की कटाई-छंटाई नहीं की जा रही है। ट्रीमिंग मशीन कार्यालय खड़ी-खड़ी शोपीश बनी हुई है।

ट्रीमिंग मशीन का नहीं हो रहा यूज

गर्मी के सीजन में आंधी व तेज हवाओं के कारण तारों में उलझे पेड़ों की टहनियों से काफी फाल्ट हो जाते है। वही कटाई-छंटाई के अभाव में शहर की मुख्य सड़कों, कॉलोनियों व सेक्टरों में पेड़ों की टहनियां सड़कों पर झुकी हुई है तथा काफी पेड़ बिजली के तारों में भी उलझे हुए है। यहां तक कि सचिवालय रोड पर काफी पेड़ों की टहनियां सड़क पर झुक चुकी है, जोकि अंधड में कभी भी टूटकर गिर सकती है। ट्रीमिंग मशीन मिलने से विभाग को पेड़ों की कटाई-छंटाई करने में सुविधा तो मिल गई है, लेकिन 4 महीने में अभी तक मशीन का यूज तक नहीं किया गया है। नगर परिषद ईओ सुशील कुमार ने बताया कि ट्रीमिंग मशीन का यूज करने के लिए बिजली निगम को पत्र लिखा हुआ है।

बिजली निगम की ओर से डिमांड आने पर पेड़ों की कटाई-छंटाई के लिए मशीन दे दी जाएगी।

सेक्टरों में की जाएगी पेड़ों की छंटाई

एंटी स्मॉग मशीन और ट्रीमिंग मशीन के सभी कागजात पूरे हो चुके है। जल्द ही मशीनों को यूज करने के लिए रोड पर लाया जाएगा। ट्रीमिंग मशीन से सड़कों पर लटकी पेड़ों की टहनियों की छंटाई करने का कार्य किया जाएगा, जिसके लिए बिजली निगम को पत्र लिखा जा चुका है। डिमांड आने पर मशीन दी जाएगी।

सुशील कुमार, ईओ, नगर परिषद, रेवाड़ी।

खबर संक्षेप

कमरे के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

जाटूसाना। रेलवे स्टेशन के सामने चोर एक कमरे के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में महेंद्रगढ़ के निंबी निवासी अक्षय कुमार ने बताया कि वह लुहारी वेयरहाउस में काम करता है। रेलवे स्टेशन के सामने उसने कमरा किराए पर लिया हुआ है। रात को चोर कमरे के सामने खड़ी उसकी बाइक चोरी कर ले गए। पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक व्यक्ति उसकी बाइक चोरी करते हुए दिखाई दे रहा है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

छात्र के यौन शोषण की आरोपी टीचर गिरफ्तार

धारूहेड़ा। क्षेत्र की एक शिक्षण संस्था में 15 साल के नाबालिग का यौन शोषण करने की आरोपी टीचर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छात्र के पिता ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसके बेटे को टीचर ने होटलों में ले जाकर यौन शोषण का शिकार बनाया था। पता लगने के बाद पति ने टीचर को घर से निकाल दिया था। हाईकोर्ट से अग्रिम याचिका खारिज होने के बाद पुलिस ने टीचर को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

घर से लापता युवती का सुराग नहीं

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना अंतर्गत एक गांव से 21 जून को लापता हुई युवती का सुराग नहीं लगा। पुलिस शिकायत में गांव निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि वह एक सोसायटी में नौकरी करता है। उसकी भांजी गांव में उसी के घर में रहती है। 21 जून को रात के समय अपनी ड्यूटी पर गया था। सुबह घर वापस आने पर उसे उसकी भांजी घर पर नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी भांजी का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवती की तलाश शुरू कर दी।

पेट्रोल पंप पर खड़ा टाटा ट्रक चोरी

धारूहेड़ा। बेसटेक सोसायटी के पास एक पेट्रोल पंप पर खड़ा ट्रक चोरी हो गया। पुलिस शिकायत में सोसायटी में रहने वाले सतपाल ने बताया कि उसके पास टाटा कंपनी का हेवी ट्रक है। उसने अपना ट्रक दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे के पेट्रोल पंप पर खड़ा किया था। रात के समय उसका ट्रक चोरी हो गया। काफी पूछताछ करने के बाद भी उसके ट्रक का कोई पता नहीं चल सका। ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया।

हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों को अंजाम देने के बाद फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने 30 अप्रैल को हुए हादसे में फरार चालक निखरी निवासी दिपांशु को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। कसोला पुलिस ने 18 जून को हुए हादसे के आरोपी गाड़ी चालक यूपी के महिनरपुर निवासी अरविंद को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

पोक्सो एक्ट के तहत एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए ने पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने पीड़ति पक्ष की शिकायत के आधार पर 20 जून को यूपी के मुरादाबाद निवासी नरेश कुमार के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल भी कराया था। केस दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। सीआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया।

फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

थाना कसोला पुलिस ने चेकिंग के दौरान फर्जी नंबर प्लेट लगी चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। पुलिस जलियावास कट के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक को रुकवाकर चेक किया गया। उसके नंबर प्लेट पर लिखे नंबरों को चालानिंग मशीन में डाला, तो वह इंजन और चेसिस नंबर से मैच नहीं कर रहे थे। पुलिस ने बाइक चालक से कागजात दिखाने को कहा, तो उसने कागजात होने से इनकार कर दिया। उसने बताया कि एक अनजान व्यक्ति से उसने यह बाइक 5 हजार रुपये में खरीदी थी। उसके इस बात का पता था कि बाइक चोरी की है, परंतु लालच में आकर उसने बाइक खरीद ली। पूछताछ में उसने अपना अजय कुमार निवासी हासपुर थाना खैरथल जिला अलवर राजस्थान हाल किरायेदार आनंद नगर बावल बताया। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस बाइक चोर का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

मशीन में आकर ऑपरेटर की उंगुली कटी कंपनी प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज

कसोला। औद्योगिक एरिया की एक कंपनी में कार्यरत ऑपरेटर का मशीन में हाथ आने से डॉक्टरों ने एक उंगुली काट दी। उसके बयान पर पुलिस ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में यूपी के सिसावा सौराव निवासी फूलचंद ने बताया कि कंपनी में सात साल से नौकरी कर रहा है। वह मशीन पर ऑपरेटर लगाया हुआ है। मशीन का सेंसर खराब होने के कारण 9 जून को उसका हाथ मशीन में फंस गया।

उसके दाहिने हाथ की उंगुली मशीन में दबकर खराब हो गई। कंपनी प्रबंधन ने एक प्राइवेट अस्पताल में उसे दाखिल कराया था, जहां से उसे पहले रेवाड़ी और बाद में मानेसर ले जाया गया।

वहां से रेफर करने के बाद उसे फरीदाबाद के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां खराब होने के कारण डॉक्टर ने उंगुली काट दी। उसने आरोप लगाया कि कंपनी प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। अब प्रबंधन की ओर से कोई मदद भी नहीं की जा रही है। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

चाची लेकर आई थी भतीजे के लिए वधु, मौका पाकर कमरे से हुई फरार

■ सदर थाना पुलिस ने पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के साथ लगती एक कॉलोनी में रहने वाले युवक की 23 वर्षीय पत्नी 19 जून को बिना बताए कमरे से लापता हो गई। युवक की पत्नी को उसकी चाची लेकर आई थी। उसे अपनी ससुराल तक का पता नहीं है। सदर थाना पुलिस ने पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी। मेहनत मजदूरी करके पेट पालने वाले युवक ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह मूल रूप से गुरूग्राम के एक गांव का रहने वाला है। वह यहां एक कॉलोनी में किराए का कमरा लेकर रह रहा है। उसकी पत्नी को उसकी चाची लेकर आई थी। उसी ने उसकी शादी कराई थी, परंतु उसे यह नहीं पता कि उसकी ससुराल कहां है। वह अपनी पत्नी को कमरे पर छोड़कर मजदूरी करने के लिए चला गया था। वापस अपने पर उसे पत्नी कमरे पर नहीं मिली। काफी पूछताछ करने के बाद भी उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चल सका। उसके पत्नी के पास मोबाइल फोन भी नहीं है। सदर थाना पुलिस ने महिला का पता लगाने के लिए उसके मायके के बारे में जानकारी हासिल करने के प्रयास शुरू कर दिए।

पांच साल के बेटे के साथ महिला गायब

रेवाड़ी। कंपनी में काम करने वाले थाना सदर अंतर्गत एक गांव निवासी युवक की पत्नी पांच साल के बेटे सहित लापता हो गई। युवक ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसकी शादी वर्ष 2014 में हुई थी। उसके दो लड़के हैं। उसकी पत्नी 29 मई को छोटे बेटे को लेकर फरार हो गई। तब से लेकर अब तक वह अपनी पत्नी की तलाश करता रहा, परंतु उसका कोई पता नहीं चला। सदर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद महिला व बच्चे की तलाश शुरू कर दी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते से त्वरित निपटारा कराना: सीजेएम

रेवाड़ी। जिला न्यायिक परिसर में 12 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा कराया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा कराना है। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों तथा राजस्व के मामलों का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम ने आमजन से 12 जुलाई को आयोजित होने वाली लोक अदालत के अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोर्ट में अपने लंबित प्रकरणों को आपसी सहमति से हल करा लेने में ही फायदा है, जिससे कि समय कम लगे और मामूली खर्च में ही विवाद का निपटारा हो जाए। कोई भी केस में कोर्ट में चलता है तो लोगों को उसके लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और धन व समय भी खर्च होता है। लोक अदालत में आदमी आकर विवाद को सुलझा ले तो यह वहीं समाप्त हो जाता है। इससे न तो किसी की हार होती और न ही किसी की जीत होती है।

सीजेएम अमित वर्मा।

डीपीसी राजेन्द्र शर्मा का किया सम्मान

रेवाड़ी। राजेन्द्र शर्मा का सम्मान करते संस्था के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

कोसली। स्मृति वेलफेयर सोसायटी कोसली की ओर से रविवार को मीडिया सेंटर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नवनियुक्त जिला परियोजना अधिकारी राजेंद्र शर्मा को सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्था के प्रधान दयानंद भारद्वाज ने राजेंद्र शर्मा को मृदुभाषी, विवेकशील, कर्मठ और मेहनती व्यक्तित्व का धनी बताया तथा नाहड़ के खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में उनकी कार्यशैली की सराहना की। डीपीसी राजेंद्र शर्मा ने संस्था का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश डाबला, सरपंच बलवान, टीटू पूर्व सरपंच कोसली, विजय आजाद, सुषमा यादव, रवि यादव, बीएल शर्मा, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रधान बाबूलाल, अनिल भारद्वाज, विनोद कुमार, बलराज ठेकेदार, सुरेश अभय नंबरदार, डा. सतबीर इन्दौरा, सतवीर पंच अनिल, अजय, कपूर डीपी, नरेंद्र, अशोक कुमार, संजय, दिनेश कौशिक, कृष्ण भारद्वाज, अनिल व भूपेंद्र उपस्थित थे।

तेरह साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मॉडल टाउन थाना पुलिस ने 13 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला मुरादाबाद के एकता कालोनी निवासी नरेश के रूप में हुई है। गत 20 जून को एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह पिछले तीन साल से अपने बीवी बच्चों के साथ शहर में किराए पर रह रहा है। वह और उसकी पत्नी दोनों एक निजी कंपनी में साथ काम करते है। उनकी गैर मौजूदगी में उनके चार बच्चे घर पर अकेले रहते हैं। 20 जून को उनके कंपनी जाने के बाद आरोपी नरेश उनके घर पर आया और उनके तीन बच्चों को पैसे देकर दुकान पर भेज दिया। इसके बाद आरोपी ने उनकी 13 साल की बच्ची से दुष्कर्म किया और उसे किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। जब उसकी पत्नी लंच के लिए घर पर वापस लौटी तो बच्ची ने घटना के बारे में बताया। पुलिस ने बच्ची के पिता की शिकायत पर पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त आरोपी नरेश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

शोभायात्रा में भगवान जगन्नाथ के साथ बलभद्र और सुभद्रा माता की झांकियां शामिल रहेंगी

बारा हजारी वृंदावन चौक से 27 को निकलेगी जगन्नाथ की सवारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भगवान श्रीजगन्नाथ की शोभा रथ यात्रा को लेकर शहर में तैयारी शुरू हो चुकी है। बारा हजारी वृंदावन चौक स्थित भगवान श्रीजगन्नाथ मंदिर से 27 जून को शोभा रथ यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा में भगवान जगन्नाथ के साथ बलभद्र और सुभद्रा माता की झांकियां शामिल रहेंगी। यात्रा प्रातः 10 बजे से शुरू होकर शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए नई अनाज मंडी के शिव मंदिर में पहुंचेगी, जहां नई अनाज मंडी के व्यापारियों की ओर से भगवान का पूजन वआरती की जाएगी। इसके बाद दोपहर बाद 3 बजे फिर यात्रा बड़ा तालाब प्राचीन श्री हनुमान मंदिर से होकर विभिन्न बाजारों से होते हुए वापस मंदिर में सम्पन्न होगी। मंदिर के व्यवस्थापक स्वामी टेकचंद गौड़ ने बताया कि रथ यात्रा को लेकर तैयारियां चल रही है। उन्होंने बताया कि 7 जुलाई 1878 में यात्रा के संचालन के लिए लाइसेंस बना था। तब से यह यात्रा प्रति वर्ष निकाली जा रही है। व्यवस्थापक का कहना है कि यात्रा का कोरोना में भी संचालन हुआ था। उन्होंने बताया कि श्रृद्धालुओं की ओर से ही भगवान के रथ को हाथों से खींचा जाएगा। रथ यात्रा संचालक रमेश वशिष्ठ ने बताया कि रथ यात्रा वृंदावन चौक स्थित मंदिर से शुरू होकर भाड़ावास गेट, सैनी चौपाल, सती कॉलोनी मोड़ से अग्रसेन चौक से होते हुए नई अनाज मंडी के श्रीशिव मंदिर में यात्रा पहुंचेगी। शाम को 3 बजे यात्रा बड़ा तालाब हनुमान मंदिर, गुर्जरवाड़ा, अपना बाजार, बस स्टैंड, माता चौक, वैधवाड़ा, नालबंदा, पत्थर घटी, पुरानी अनाज मंडी, गोकलगेट, रेलवे चौक, काठमंडी चौक, घंटेश्वर महादेव मंदिर, जीवली बाजार, कटला बाजार, गंज बाजार, पुरानी सब्जी मंडी, गुड़ व दुर्गा मंदिर से होते हुए वापस मंदिर परिसर में पहुंचेगी।

रेवाड़ी। वृंदावन चौक स्थित मंदिर में सजी भगवान श्रीजगन्नाथ की प्रतिमा।

25 जून को मंदिर में रात्रि को होगा जागरण

भगवान जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव करेंगे। इस मौके पर सूरजभान सैनी, मुख्य सारथी मुकेश अग्रवाल भट्ठेवाले और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता अमित यादव शिरकत करेंगे। व्यवस्थापक स्वामी टेकचंद गौड़ ने बताया कि यात्रा में सुमेर ब्रास बैंड, गोपाल वर्मा एंड पार्टी, शहनाई राया-मथुरा, श्रीकृष्ण नगाड़ा मंडल पलवल, पेशुराम सिंधी शहनाई खैरथल व ढोल ताशा महेश कुमार अलवर शामिल रहेगा। भगवान जगन्नाथ मंदिर में 25 जून को रात्रि 9 बजे जागरण होगा। गायक कलाकार पंडित त्रिलोक चंद रामायणी, विजय त्यागी, संजय शर्मा गोकलगढ़, मुरारी सोनी रेवाड़ी, गोपाल वर्मा, मानवी भारद्वाज, हरीओम सैनी, ललित सैनी व नितेश शर्मा भगवान श्रीजगन्नाथ की महिमा का गुणगान किया जाएगा। 26 जून को श्रीलाड़ली संकीर्तन मंडल की ओर से दोपहर बाद के समय महिला संगीत का आयोजन किया जाएगा।

ढाणी की शोभा में रागिनी कार्यक्रम व जागरण 25 को

रेवाड़ी। गांव ढाणी शोभा में 25 जून को विशाल भंडारा, शिव जागरण व रागिनी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। ग्रामवासियों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में दिन में मुख्यातिथि बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार व डा. एसपी यादव तथा रात्रि के कार्यक्रम में महंत सुमितगिरी महाराज माजरी धाम व रिटायर्ड प्रिंसीपल एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। दिन के कार्यक्रम में गायक कलाकार विकास पासोरिया व इन्द्र मोहन शर्मा अहरोद होंगे तथा रात्रि जागरण में गायक ज्ञानेन्द्र सराधना, मंजू शर्मा, कर्मपाल, पूजा शर्मा मुज्जफर नगर व पटेल एंड पटेल पार्टी बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे।

जुम्मन जब हज करने गए थे , तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण।

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

गृहणियां अक्सर एक ग्लॅारीफ़ाइड नौकरानी भर रह जाती हैं!

दुल्हन भाभी का सूटकेस बेड पर खोल कर, ब्याह में आई सभी ननदें घेरा बनाकर बैठ गईं। "अरे ! ये बैंगल बॉक्स तो कितना सुंदर है! और कंगनों के सेट भी इसके अंदर जैसे बहुत खोजकर सजाए हैं। ये गुलाबी तो चूड़ियां हैं कि मोतियों की लड़ियां ?"

मँझली बुआ सास की बेटी कहती है "ये मेरा अपने आप को शादी का गिफ्ट है। इसे तैयार करने में बाज़ार के कितने चक्कर लगाने पड़े !"

"ये तो अब मेरा हुआ !" सगी ननद चंचल ने पूरा बॉक्स उठा लिया और बंद कर, बाँह के नीचे दबा लिया।

"अरे! अरे ! कहाँ उड़ाये लिए जाती हो ? नज़र भर देखने तो दो !" छोटी बुआ श्रद्धा कहती हैं जो उम्र में विवाहित ननदों से कुछ ही बड़ी थीं और इसी गुट में डटी रहती थीं। चिढ़ने वाली पाहुनी मौसी सास सुबह ही कह रही थीं, "सींग कटाकर बछड़ों में शामिल!"

श्रद्धा बुआ टोकती ही रह गईं और चंचल ये जा वो जा! वे कोई फड़कता हुआ व्यंग्य करतीं लेकिन तभी उनका ध्यान दुल्हन की दूसरी ब्याहता ननद कंचन पर गया जो सूटकेस को ऐसे उलट-पुलट रही थी जैसे चंचल का मुनाफा उसका नुकसान है। अब इससे भी ज्यादा मुनाफा न हो तो लानत है उसकी चतुराई पर।

"ये सिंदूरी साड़ी मैं लूँगी !"

सूटकेस में जो सबसे मूल्यवान बनारसी साड़ी दिख रही थी, बड़ी ननद कंचन ने वो निकाल कर तुरंत अपने बैग में डाल दी। बगल में चचेरी-ममेरी-फुफेरी ननदें, दुल्हन को सुन-सुनाकर फुसफुसाती रहीं, "ये दोनों कितनी लालची हैं !"

"अरे ! अभी तो बस इनका ही रंग देखा है बहू ने; इनकी माँ का नहीं देखा !"

...और माँ वेणी वाकई बेटियों चंचल और कंचन से दो कदम आगे थी !

शाम को बहू से कहा, "अरे, शादी में कितनी अंगूठियाँ मिली हैं जरा उतार कर दो तो; पाहुनियों को दिखानी हैं।"

बहू ने छह अंगूठियाँ उतार कर दे दीं। सास बाहर ले गई और थोड़ी देर बाद लौटा ले आई।

"लो पहन लो, अपनी अगूठियाँ।"

बहू देख रही है; छह अंगूठियाँ लेकर गई थीं, पाँच लौटा रही हैं सो भी एक-एक को गौर से देखती-तोलती-सी।

क्या वो कह दे कि एक अंगूठी कम है? एकाएक चोरी का इल्जाम कैसे लगा दे ऐसे ! सोच रही थी कि रात में पति योगेश से बात करेगी।

लेकिन यहाँ तो ये हाल था कि लंका के छोटे वीर, वे भी उनचास हाथ के! वही सोने की अंगूठी पतिदेव ने दीप्ति को घूँघट उठाते समय पहना दी।

...उसका दिल टूट गया !

कैसी धूर्त ससुराल मिली है ! लेकिन अब पैरों के नीचे की ज़मीन यही है; मायके में तो अम्मा ने कभी महसूस ही न होने दिया कि दोनों भाई-भाभियों के अलावा भी वो घर किसी का है! शादी से बरस भर पहले जब बी.एड. की उसकी फीस का सवाल था तो उन्होंने साफ मना कर दिया था,

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण। मायके से बी.ए. पास करके जा रही हो; इतना भी बहुत है! आगे और जो अरमान हों, अपने घर जाकर पूरे करना। और इस साल तो वैसे भी मेरा घुटने का ऑपरेशन है। तुम कॉलेज जाओगी तो घर का सब काम कौन करेगा ? बड़ी बहू दिल्ली में, छोटी अपने बच्चों में उलझी रहती है। ऐसा करो अब ये पढ़ाई-वढ़ाई बंद करो। और इस साल मन लगाकर घर-गृहस्थी सीखो! हर समय हाथ में किताब लिए फिरती हो। रसोई में मन लगाओ ! कल को ससुराल जाओगी तो क्या हमारी नाक कटाओगी !"

लेकिन फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही।

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी। "आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी। पर इसमें क्या नया है ? ससुराल वाले नई बहू से नौकरानी जैसा ही बर्ताव तो करते हैं। सोच ये रहती है कि शुरू में ही दबा लो फिर पूरी ज़िंदगी सुख से सेवा करवाओ। नहीं तो, जो शुरू में सिर पर चढ़ गई तो उम्र भर नाचेगी नहीं बल्कि नचाएगी! दीप्ति लेकिन अपने लिए एक ऐसा भविष्य देखती है जो आसपास के माहौल से हटकर है। वो पति की साथी बनना चाहती है; बूढ़े सास-ससुर का सहारा। इसके अलावा, उसका अपना एक जीवन हो, पहचान हो, आत्म निर्भरता हो और सबसे बढ़कर सम्मान हो!

दीप्ति पीतल का टेबल लैम्प और गमले नींबू, राख और दही से साफ कर रही है। बैठक की हर चीज़ अब तक वो ही साफ करती रही थी। अपनी सोच में गुम है, क्या अम्मा से बात करे या पापा से ही फिर कहे! बड़े भैया को भी तो फोन कर सकती है दिल्ली। उनकी तो सरकारी नौकरी है फिर भी तो खर्च खेती और पापा की पेंशन से उठता है। क्या छोटी बहन को इतना भी न दे सकेंगे? जब बी.एड. के बाद उसकी नौकरी लगेगी तो चुका देगी। ये बात तो वो प्रदीप भैया से भी कह सकती है। अभी ही तो भाभी दिखा रही थीं उसे अपना नया लॉकेट, जो कहने को तो वे अपने मायके से लाई हैं; लेकिन वो असलियत जानती है कि भैया ने उन्हें बनवा कर दिया है!

लैम्प और गमले सब धो-माँजकर उसने एक ओर टिका दिए धूप में, हमेशा की तरह; और बैठक में जाकर बल्ब, डोरी, प्लग लाने चली गई ताकि उसे लैम्प में फिर से फिट कर सके। लौटकर देखती है कि पीतल का सब सामान गायब!

"अरे अम्मा ! लैम्प, गमले सब कहाँ गए ?"

"तुम्हारी भाभी ले गई अपने कमरे में ?"

"क्यों ?"

"ले जाने दे; तू क्यों पूछती है? क्या अपने घर ले जाने की मंशा थी ?"

ये इल्जाम! दीप्ति का दिल फिर टूट गया। आगे उसका यहाँ आना मेहमानों-सा रह गया। जब भी आती, अम्मा चिंतित-सी होकर पापा से पूछती, "दीप्ति को कितने की विदाई देनी है ?"

- क्रमश...

कविता

अरुण आशरी

व्यथा एक पेड़ की

खुले आसमान तले
मैं भी कभी इतराता था
ऊँचा उठने की होड़ में
पूरी गर्मी झेल जाता था
मेरी छाँव तले
कितने ही मुसाफिर
राहत की साँस ले पाते थे
मन ही मन
शुक्रिया अदा कर
आगे बढ़ जाते थे ,
बच्चे भी नादानियों की
बरसात लेकर आते थे
तरह-तरह के खेल खेलकर
मेरे सर तक चढ़ जाते थे
कभी मेरी बाँहों की डाल पर झूलते
कभी झूलते-झूलते
जमीं पर कूदते
आनंद की सीमा भी लांघ जाते थे
तब कहीं जाकर अपने घर जाते थे
मैं भी रात को ही
चैन की नींद ले पाता था
मन ही मन अपने भग्य पर इतराता था
अगली सुबह फिर
नई ताजगी के संग उठ जाता था,
इंसान भी,
जहाँ मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता था
सुन्दर, मनोहर जैसे शब्दों से
मुझे अलंकृत कर जाता था
और फिर घर भी वहीं बनाता था ।
आज वही इंसान
जहाँ कहीं भी
मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता है
सबसे पहले उन्हें कटवाता है
फीते से जगह नपवाता है
बहुत सुन्दर जगह का
अलंकरण अब भी दे जाता है
पर घर वहीं बनाता है ।
प्रदूषण का खंजर
अब मेरे खून से सनाँ है
मेरी अब की हालत
कुछ इस तरह बयाँ है,
कोई भी मुसाफिर
अब यहाँ नहीं आता है ,
बच्चा भी बस
दूर से ही देख चला जाता है ।
प्रदूषण की मार
इस क़दर मुझे रुला गई,
मुझे भी इक बात समझ में आ गई,
खुले आसमान तले भी मैं,
इक पिंजरे में बंद हूँ,
जब लोग दिल में दिमाग रखते हैं,
तो मैं कहाँ का अक्लामन्द हूँ।

गीत

डॉ. पंकज गौड़

हे युवा स्वयं का निर्माण कर

बंद कर छद्म युद्ध,शांति से बनेगा बुद्ध
हर धर्म के प्रति,मन में मान भर
जान ले तू,खुद को,वीरता समुद्र को
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

जुल्म की है इंतिहा,रास्ते कठिन तो क्या
हर नगर;डगर नया गुमान दे।
कोई कहीं से गया,तुझे उससे क्या गिला
नित्य नव्य पंथ तू निकाल ले।

आंसू ले गरीब के,जुल्म मिटा करीब के
झोपड़ी में दीप का तू दान कर।
खेत के किसान को,सीमा पे जवान को
हर घड़ी हृदय से रख,सलाम कर।

दर-दर की हर खबर रखते हो तुम मगर
दीप क्यों बुझे है स्वाभिमान के ?
रक्त मांगती धरा,बुत ना हो, नजर मिला
हो प्रसन्न प्राण अपने वार कर।

खुद,खुद से युद्ध कर,आत्मा को शुद्ध कर
ज्ञान से तमस हटा,अलख जगा।
ज्ञात से अज्ञात तक,रात से प्रभात तक
साथ दें, हमकदम गले लगा।

अथाह की तू थाह ले,चाही अपनी राह ले
उधार के विचार नहीं काम के।
खोज के जतन से,मौज से; मनन से
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

लघुकथा

सविता गोयल

तपन

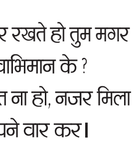

काका, इतनी भरी दोपहरी में कहाँ जा रहे हो ? बाहर लू चल रही है, बीमार हो जाओगे ।

'बिटवा, जब घर में चूल्हा ठंडा पड़ा हो तो ये सर्दी-गरमी कहाँ हमरे बदन को छूवत है । पेट की आग बुझावे के खातिर बदन को थोड़ा तपाने में का हरज है । दो पैसा कमाकर घर में लाएंगे तो घर में चूल्हा जलेगा । बच्चा लोग का पेट में रोटी और चेहरा पर शांति देखेंगे तो ई सारी तपन ठंडी हो जावेगी।, कहते हुए उस झुलसती दोपहरी में भी रघु काका ठेला लेकर काम ढूंढने निकल पड़े ।

कविता

राजेश 'भारती'

रोटी का हिस्सा

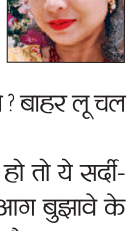

रोटी बनाते वक़्त, माँ अक्सर कहती थी
थोड़ा-सा आटा बचा लिया कर
पंछी भी भूखे नहीं रहने चाहिए

अब मैं शहर में रोटी तोड़ता हूँ
पर खिड़की के बाहर, पंछी नहीं
बस धूल उड़ाती गाड़ियाँ हैं

क्या बचाऊँ मैं ? माँ की वो बात
या वो भूख, जो अब मेरे भीतर भी
कहीं पंख फड़फड़ाती है।

कवि और गीतकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य की चुनौतियों को लेकर कहना है कि इस इंटरनेट युग में हर कोई सोशल मीडिया पर अपनी अभिरुचि की सामग्री तलाश कर ज्ञान पाना चाहता है, लेकिन यह सत्य है कि गुरुओं के सानिध्य के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए इस बदलते परिवेश में वरिष्ठ साहित्यकारों और लेखकों की पुस्तकों का अध्ययन करने से लेखनी को यशस्वी किया जा सकता है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

मानवीय मूल्यों को जीवंत रखने में साहित्य अहम : वीरेन्द्र 'मधुर'

भारतीय संस्कृति में सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य संवर्धन की भी अहम भूमिका मानी जाती है। इसलिए साहित्य के क्षेत्र में लेखक और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य सृजन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शामिल वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा भी सामयिक विषयों और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर कविताएं, गीत, गजल, मुक्तक और आलेख जैसी रचनाओं के संसार को दिशा देने में जुटे हैं। उन्होंने हिंदी और हरियाणवी भाषा में साहित्यिक साधना के साथ सामाजिक सेवा को भी सर्वोपरि रखा है। वरिष्ठ साहित्यकार, कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र 'मधुर' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिनमें साहित्य संवर्धन में सभी भाषाओं के सम्मान के साथ मानवीय मूल्यों को जीवंत रखना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि वीरेन्द्र 'मधुर' का जन्म 1 जनवरी 1958 को यूपी के मुजफ्फरनगर में रामेश्वर प्रसाद शर्मा एवं सुशीला देवी के घर में हुआ।

परिवार में हालांकि कोई साहित्यिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा मूल चंद शर्मा शिक्षक रहे। वीरेन्द्र की प्राथमिक शिक्षा शहर की प्राइमरी पाठशाला में हुई, जहां उनके प्रथम गुरु मोहम्मद इकबाल बने। इन्हें पहली बार साल 1968 में कक्षा पांच के दौरान स्कूल में मंच मिला। स्कूल में वे साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी मंचन के साथ ड्रामा, डांस और गाना बजाना भी करने लगे। उन्होंने कक्षा छह से आठ तक स्कूल में अंताक्षरी, वाद-विवाद और अभिनय में हमेशा प्रथम स्थान हासिल करके हैट्रिक अपने नाम की। रसायन विषय से एमएससी की डिग्री के बाद उन्होंने सरकारी और गैर सरकारी केमिकल प्रतिष्ठानों 32 साल तक नौकरी और व्यवसाय किया। इसके बावजूद उन्होंने अपनी साहित्यिक और सांस्कृति अभिरुचि से नाता नहीं तोड़ा और हारमोनियम और तबला भी सीखकर अपनी विधा को लगातार धार दी। बकौल वीरेन्द्र कुमार शर्मा, उन्होंने साल 1974 में रचना गीत जब पीहू पीहू, इस रेत के शहर में, रिमझिम आया सावन, कहां से लाऊं बचपन अपना, जैसे गीत लिखना शुरू किया, जिन्हें सराहते हुए एक प्रख्यात कवि ने उन्हें मधुर नाम दिया। उनके ये गीत काफी प्रचलित भी हुए। साल 1985 में वह परिवार के साथ हरियाणा के रोहतक आए, जहां उन्होंने एक कैमिकल प्रतिष्ठान में नौकरी की और उसके बाद रोहतक में ही बस गये। परिवार में बेटों के रोजगार लगने के बाद वे अपने साहित्यिक लेखन को आगे बढ़ाते रहे और हरियाणवी संस्कृति में रमना शुरू कर दिया। हालांकि उन्हें हरियाणा में भाषा विशेष के कारण परेशानी का भी सामना किया, जहां अलग पड़े धड़ों में हिंदी गीत को रागिनी के प्रचलन में रखना एक कठिन डगर रही लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और साहित्य सृजन में तपस्या, मेहनत और अभ्यास ने उनके साहित्यिक लक्ष्य को बुलंदियां दी।

उन्होंने म्हारे गाम की छोरी, कदे कदे न्यू धड़के सै, जैसे अनेक हरियाणवी गीत व कविताएं भी लिखी हैं। उनकी रचनाओं का फोकस सामयिक और सामाजिक सरोकारों के मुद्दों, अंधविश्वास, मानव एकता, देशभक्ति जैसे विषयों पर रहा है। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी और काव्य मंच के संयोजक व संचालन का दायित्व निभाना उनके लिए गर्व का विषय है। उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें वरिष्ठ साहित्यकारों व कवियों के साथ मंच साझा करने और काव्य पाठ करने का मौका मिला। इन्होंने साल 2017 में दुबई (यूएई) की विदेश यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति से जुड़े गीत और काव्य पाठ किया है। वह रोहतक की कला परिक्रमा, पंजाबी साहित्यकार मण्डल, विजन फाऊण्डेशन, टैगोर काउंसिल आफ आर्ट रोहतक जैसी कई साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

वहीं वे संस्कार भारती रोहतक जिला इकाई के साहित्य प्रमुख भी रह चुके हैं। आकाशवाणी, डीडी न्यूज जयपुर और आकाशवाणी नई दिल्ली व हिसार से भी उनकी कविताओं और गीतों का प्रसारण हो चुका है। उनकी रचनाएं देश के प्रतिष्ठत पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

गीतकार वीरेन्द मधुर की प्रकाशित एक दर्जन पुस्तकों में गीत संग्रह 'गलता हुआ हिमानी', 'भ्रूण के पहरुए', 'कोहराम जिंदगी का', कविता संग्रह आसमान लुटता है व साँझ मेरे आँगन आयी, गजल संग्रह आवाज का जंगल, कहानी संग्रह वापस गांव की ओर, भक्तिगीत काव्य संग्रह हरि मन मनके सुर्खियों में हैं। उन्होंने काव्य संग्रह मुक्तक वाटिका और बच्चों के लिए हंसता बचपन शीर्षक से भी पुस्तक लिखी हैं। इन्होंने कला परिक्रमा संग्रह रचनाएं भी लिखी हैं।

वीरेन्द्र 'मधुर'

पुरस्कार व सम्मान

वरिष्ठ कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र मधुर को साहित्यिक सेवाओं के लिए अनेक पुरस्कार मिले हैं। प्रमुख रूप से उन्हें हिन्दी साहित्य श्री सम्मान, हंस पुरस्कार, अजमेर मोर स्मृति साहित्य सम्मान, काव्य-भूषण सम्मान, साहित्य सम्मान, प्रज्ञा साहित्य मंच का 'साहित्य सोम' सम्मान मिले हैं। वहीं जयपुर, मेरठ, नांदूरा, हिंदी साहित्य अकादमी दिल्ली, कला संगम दिल्ली, भारतीय महोत्सव समिति श्रीगंगानगर जैसी सामाजिक एवं साहित्यिक संस्थाओं से सम्मान दिया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : वीरेन्द्र 'मधुर'
जन्मतिथि : 1 जनवरी 1958
जन्म स्थान : मुजफ्फरनगर (यूपी)
वर्तमान निवास : रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : एम.एस.सी. (रसायन)
संप्रति : लेखक, कवि एवं गीतकार

सावन का दर्पण है 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य'

पुस्तक : मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झन्डई
मूल्य : 299 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन, जयपुर

पुस्तक समीक्षा

सुशील सैनी

लघु कविता संग्रह 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य' में रचनाकार डॉ. हरीशचंद्र झन्डई ने प्रकृति का बखूबी वर्णन किया है। संग्रह में तमाम कविताएं मुम्बई शहर पर आधारित हैं। कवि के अनुसार उन्हें खराब स्वास्थ्य के चलते मुंबई महानगर में जाकर रहना पड़ा, तब सावन का महीना था। इसी दौरान इन लघु कविताओं को लिखने की प्रेरणा मिली।

कवि ने शायद इसी कारण इस संग्रह में मुंबई के सावन को लघु कविताओं का आधार बनाया है। उदाहरण देखिए, 'सावन की मस्ती' में - लगती है जब सावन झड़ी/ टिप-टिप करती हैं बारिश की बूँदें।' सावन में धरती बारिश से भीग जाती है, (सावन से भीगी धरती)। धूप में बरसता सावन के बूँदों की/चमक है निराली (धूप में बरसता सावन)। कवि ने वर्षा का चित्रण इस प्रकार किया है- छम-छम करती वर्षा/ठण्डी-ठण्डी हवाएँ (वर्षा की फुहारें)। बरसात रुक-रुक कर हुई तेज़ वर्षा/बरस रहे मेघ (बरस रहे मेघ) कई बार बादल आसमान घेर लेते हैं- घिर-घिर आये/सावन के बादल/गरजते, बरसते (बादलों ने आसमान को घेरा)।

इसी प्रकार, सावन की बारिश में भीगी भीगी लड़की/प्राकृतिक सौंदर्य से चेहरे पर भी मुस्कान। सावन की हवाएँ, सुहावनी हवाएँ भी कह रहीं और सुहावनी रात गीत गाती हैं (सुहावनी रात)। हम कह सकते हैं कि इस संग्रह की ज्यादातर कविताएं बारिश का ही वर्णन करती प्रतीत होती हैं। तरह-तरह की इनकी है/ प्राकृतिक रँग-बिरँगी पोशाक (पक्षियों की प्रकृति) और 'सावन में पक्षी 'उड़ते हैं- पक्षियों की होती है उड़ान / एक दिशा से दूसरी दिशा तक। ऐसे समय में प्रवासी पक्षी भी दिखाई देते हैं- आते हैं प्रवासी खूबसूरत पक्षी (खूबसूरत पक्षी) 'चली हवाएँ' और 'बहारों के सपने' में कवि ने मंद-मंद हवा और फूलों की बात कही है। 'पतझड़' में छाया है निराला पतझड़/कल आएगा बसन्त लेकर, कवि के आशावादी दृष्टिकोण को दिखाता है। बरसात के अतिरिक्त कवि ने मुम्बई के दर्शनीय स्थलों जैसे 'जुहू चौपाटी' और 'मरीन ड्राइव' 'एलीफैंट गुफ़ाएं' पर भी लेखनी चलाई है। 'पेड़ लगाओ काटना बंद करो' के जरिए कवि ने पौधरोपण का भी आह्वान किया है। वे कहते हैं- विकास से प्रदूषित है पर्यावरण/ दहक रहे जंगल सिसक रहा है पर्यावरण (दरकते जंगल सिसकता पर्यावरण)। इस संग्रह में करीब एक सौ लघु कविताएं सम्मिलित हैं। इनकी भाषा सहज और सरल है। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

जजपा की अटेली हलके की बैठक आज

मंडी अटेली। जननायक जनता पार्टी की अटेली हल्के की बैठक आज 23 जून को अटेली के एक में गार्डन में आयोजित की जाएगी। हलका प्रधान बेदू राता ने बताया कि इस बैठक में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जननायक जनता पार्टी से जोड़ने लिए विचार-विमर्श किया जाएगा, जिससे पार्टी संगठन और ज्यादा मजबूत होगा। पार्टी के पदाधिकारी व सक्रिय सदस्य हलके के गांव एवं वार्ड में घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करेंगे और लोगों को संगठन के साथ जोड़ने का काम करेंगे।

निजामुपर क्षेत्र के जंगल में मिली डेड बॉडी

नारनौल। निजामपुर पुलिस को डाबला की तरफ लगते जंगल में एक पेड़ के नीचे व्यक्ति मृतावस्था में मिला है। फोन पर मिली सूचना के आधार पर निजामपुर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई शुरू की। जानकारी मुताबिक डाबला बणी क्षेत्र में छोटे खेजड़ी के पेड़ के नीचे एक व्यक्ति उम्र करीब 60 साल की लाश मिली, जिसने ग्रे सफेद कलर का कुर्ता-पजामा पहन रखा है। पास में पुरानी ग्रे कलर की स्लीपर एवं एक सफेद तोलिया पुराना, एक पानी की बिसलेरी की बोतल जो खाली है तथा एक एक्शन शूज मार्का का सफेद पॉलीबैग मिला है, जिसमें एक सफेद तोलिया नया एवं एक अखबार में लिपटी हुई आठ रोटियां, आंवले का आचार सहित मिली हैं। बदन पर कोई चोट वगैरा नहीं है, जिसको स्थानीय स्तर पर पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई पहचान नहीं हो सकी है।

सिहमा के सात किसानों के ट्यूबवेल की केबल चोरी

नारनौल। आजकल इलाके में चोरों का आतंक बना हुआ है। चोर रात के अंधेरे में सुनसान इलाके में बने कुओं का निशाना बना रहे हैं। गत रात्रि को सिहमा क्षेत्र से सात किसानों के ट्यूबवेल से चोरों ने केबल काटकर उसे चोरी कर लिया। सिहमा निवासी किसान रामनरेश ने बताया कि गत 20 जून की रात को उसके ट्यूबवेल से लगभग 50 फुट केबल काटकर उसे चोरी कर लिया गया। सुबह जाकर देखा तो केबल कटी हुई मिली। पड़ोस के कुओं से भी चोर केबल चोरी कर ले गए। किसान मोहर सिंह, ओमप्रकाश, राजसिंह, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, सुभाष, रमेश चंद आदि सात लोगों के ट्यूबवेलों से केबल चोरी कर ली गई। एक मोटर, पंखा व अन्य सामान भी चुरा लिया गया।

बिहाली में पशुपालक की भैंस चोरी

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव में एक पशुपालक की भैंस अज्ञात चोर चुरा ले गए। पुलिस में दर्ज शिकायत में बिहाली निवासी अशोक कुमार ने बताया कि तलवाना-रैवाणा (राजस्थान) को जाने वाले रोड पर लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर परिवार एवं पशुओं सहित लगभग 15 वर्षों से रहता है। गत 20 जून की रात्रि को डेढ़ बजे से दो बजे के बीच में कुछ अज्ञात चोरों ने उसकी दूधारू भैंस की चोरी कर ली, जिसकी किमत लगभग एक लाख रुपये थी। उस समय चोर उसकी भैंस की चोरी करके ले जाने लगे तो उसके कुएं के पड़ोसी कर्ण सिंह की आंख खुल गई और उसने देखा कि तीन से चार अज्ञात लोग उसकी भैंस को पिकअप गाड़ी में बैठा रहे थे।

जिले के 24 शहीद परिवारों को किया सम्मानित

रेवाड़ी पहुंची रेजांगला पराक्रम यात्रा का युद्ध स्मारक पर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

रविवार को रेजांगला पराक्रम यात्रा शहर के सरकुलर रोड की परिक्रमा करते हुए दिल्ली रोड स्थित रेजांगला युद्ध स्मारक पर पहुंची। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव व रेजांगला शौर्य समिति के मुख्य संरक्षक कर्नल रणबीर सिंह यादव की अगुवाई में यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। शहीद सेवा दल फाउंडेशन गोहाना के निदेशक सावन सिंह रोहिला को आयोजन के लिए रेजांगला स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन ने भी रेजांगला के 24 शहीद परिजनों को अहीरधाम की पावन माटी युक्त कलश, नारियल, तिरंगा पटका, स्मृति चिन्ह व शहीद की नेम प्लेट देकर सम्मानित किया।

रेजांगला शौर्य समिति की ओर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत रेजांगला शहीद लांस नायक चंद्रशेखर बोचड़ियि की पड़पोती कुमारी तन्वी व 1962 की लड़ाई के शहीद सिपाही चतुर्भुज वशिष्ठ गुगोढ़ की पड़पोती कुमारी रश्मि को इंदिरा यादव छात्रवृत्ति के तहत 5-5 हजार रुपये के किसान विकास पत्र प्रदान किए। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने यात्रा को इलाके की उत्कृष्ट सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाने में प्रेरक बताया। आयोजकों की तरफ से विधायक के समक्ष धारूहेड़ा चुंगी से पुलिस लाइन तक के मार्ग को रेजांगला शहीद मार्ग नामकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग 71 व 11 के मिलन स्थल पर बनाए गए शहीद स्मृति वन का नाम रेजांगला शहीद स्मृति वन, राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड व केंद्रीय स्कूल शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में रेजांगला पराक्रम को शामिल कराए जाने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रेजांगला परिजनों की मुलाकात का समय लेने की मांगे रखी। फाउंडेशन निदेशक सावन सिंह रोहिला ने शहीद परिवारों के घर के बाहर प्रशासन द्वारा वीआईपी नामकरण वाले बोर्ड लगवाने, दिल्ली जोधपुर के बीच में चलने वाली एक्सप्रेस रेल गाड़ियों का नामकरण रेजांगला एक्सप्रेस व मेजर शैतान सिंह परमवीर चक्र एक्सप्रेस कराने के लिए जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की। समिति के मुख्य संरक्षक कर्नल रणबीर सिंह यादव ने अहीर रेजिमेंट की मांग का समर्थन करते हुए आवश्यकता पड़ने पर अपना बलिदान देने की भी घोषणा की।

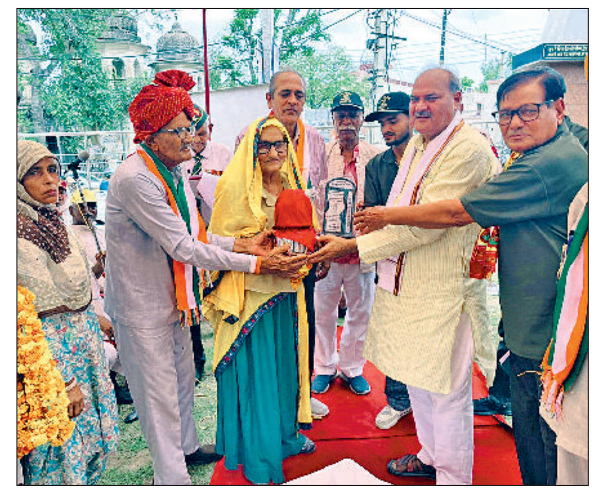

रेवाड़ी। रेजांगला पराक्रम यात्रा के सदस्यों का स्वागत करते समिति के सदस्य व शहीद परिवारों को सम्मानित करते हुए विधायक व समिति के सदस्य।

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद

रेवाड़ी पहुंचने पर रेजांगला पराक्रम यात्रा का श्री कृष्ण भवन पर यादव कल्याण सभा के अध्यक्ष रामबीर यादव, सूबेदार मेजर धर्मदेव यादव, कप्तान राजेंद्र सिंह यादव, कप्तान बीर सिंह, सूबेदार मंजीत यादव व इंजीनियर सचिन यादव की टीम ने स्वागत किया। मंच संचालन समिति के महासचिव राव नरेश चौहान राष्ट्रपूत ने किया। इस अवसर पर राव अजीत सिंह, कर्नल ओपी यादव, कैप्टन बलबीर सिंह, कैप्टन रामकुमार, कैप्टन चंदगी राम, कैप्टन चंदन सिंह, कैप्टन देव पाल, कैप्टन हरिओम, सूबेदार मेजर सुखबीर सिंह, लेफ्टिनेंट कमांडर शंकर सिंह, सूबेदार मेजर ललित कुमार, एडवोकेट राकेश खरखड़ा, एडवोकेट विक्रम सिंह, हवलदार जयपाल, हवलदार राम अवतार, हवलदार रामपाल, हवलदार गजराज, हवलदार भीम सिंह, हवलदार कृष्ण कुमार, हवलदार सतीश कुमार, विजय नारायण यादव, वीपी शर्मा, आलोक सिंघल, नैंसी सिंह, सरताज रॉक, यशवंत शास्त्री, महाशय अनंग पाल चौहान, संजय सिंह परमार, रेंजर कमल यादव, मास्टर इंद्रजीत, डा. रामफूल व सूबेदार भूपेंद्र सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान बन रही योजनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

■ जरूरतमंदों को मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता

हरियाणा सरकार की ओर से सामाजिक-वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना यानि दयालु योजना अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि गरीब परिवारों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हरियाणा सरकार की पहली प्राथमिकता है। दयालु योजना के तहत 1 लाख 80 हजार रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या 70 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांग होने पर आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना का क्रियान्वयन हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास की ओर से किया जा रहा है। दयालु योजना पूरी तरह से निःशुल्क है। डीसी ने बताया कि योजना के तहत एफआईडीआर के अनुरूप सत्यापित 1.80 लाख रुपए वार्षिक तक की आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या दिव्यांग होने पर वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि दयालु योजना के तहत 6 वर्ष से 60 वर्ष तक की आयु के सदस्यों को इस योजना का लाभ मिलता है। डीसी ने बताया कि दयालु योजना के तहत 6 वर्ष से ऊपर और 12 वर्ष तक 1 लाख रुपये, 12 वर्ष से ऊपर और 18 वर्ष तक 2 लाख रुपये, 18 वर्ष से ऊपर और 25 वर्ष तक 3 लाख रुपये, 25 वर्ष से ऊपर और 45 वर्ष तक 5 लाख रुपये और 45 वर्ष से ऊपर और 60 वर्ष तक 3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस लाभ में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत मिलने वाली 2 लाख रुपये की राशि भी शामिल होगी। परिवार के किसी भी सदस्य की मृत्यु या फिर दिव्यांग होने की स्थिति से 3 महीने के भीतर आवेदन करना होगा। आवेदक हरियाणा का मूल निवासी होना चाहिए। फैमिली आईडी में आय वेरीफाई होनी चाहिए।

दयालु स्कीम के लिए दस्तावेज

दयालु योजना के तहत आवेदन करने के लिए आवेदक का आधार कार्ड, मृत्यु की स्थिति में परिवार के अन्य सदस्य का आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, मृत्यु की स्थिति में मृत्यु प्रमाण पत्र व दिव्यांगता प्रमाण पत्र आवश्यक है। मृत्यु की स्थिति में आर्थिक मदद परिवार के मुखिया के बैंक खाते में आएगी। विकलांगता की स्थिति में आर्थिक मदद लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाएगी, जो फैमिली आईडी में रजिस्टर होगा। परिवार के मुखिया की मृत्यु अथवा दिव्यांग होने की स्थिति में आर्थिक सहायता परिवार के बुजुर्ग सदस्य के खाते में भेजी जाएगी, जिसकी उम्र 60 वर्ष से कम होगी।

राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

रेवाड़ी। विजेन्द्र शर्मा को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए पदाधिकारी।

राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ की बैठक विश्व विख्यात जादूगर सम्राट शंकर की अध्यक्षता में ग्रेटर कैलाश में आयोजित हुई। बैठक में संस्था के मुख्य संरक्षक सांसद व पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री फगन सिंह कुलस्ते व राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट भूपेन्द्र सिंह गुप्ता की मौजूदगी में संस्था के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश कुमार गोयल ने सीए विजेंद्र शर्मा को दिल्ली प्रदेश का सह प्रभारी नियुक्त किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि संस्था का उद्देश्य सभी ट्रेड एसोसिएशन को राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ में एक छत के नीचे लाना है, क्योंकि अलग-अलग ट्रेड एसोसिएशन की बात सरकार तक नहीं पहुंचती पाती है, अगर सभी एसोसिएशन मिलकर अपनी समस्याओं को उठाएं तो समस्याओं का समाधान होगा और सरकार की कल्याणकारी नीतियां व्यापारियों तक पहुंच सकेंगी। उन्होंने कहा कि आज सौभाग्य कि बात है कि कार्यक्रम में विश्व विख्यात जादूगर सम्राट शंकर मौजूद है, जोकि भारत में नहीं पूरी दुनिया में अपने जादू का लोहा मनवा चुके हैं तथा भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और सामाजिक संस्थाओं से अनेकों बार सम्मानित हो चुके हैं। विजेन्द्र शर्मा ने अपनी नियुक्ति पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ में पूरी निष्ठा के साथ व्यापारियों का सहयोग करेंगे। इस मौके पर संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दिल्ली प्रदेश प्रभारी मदनलाल गोयल, अंकित लोहिया व मधु वशिष्ठ उपस्थित थे।

नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

रेवाड़ी। लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करती एनसीबी टीम।

हरियाणा एनसीबी की ओर से प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। रविवार को जिला एनसीबी यूनिट की ओर से नई अनाजमंडी में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। इस मौके पर यूनिट के इंचार्ज नीरज कुमार ने लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर सभी को नशा न करने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने बताया कि 26 जून तक नशा मुक्त भारत पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, मैराथन, साइक्लोथान और अन्य गतिविधियों से लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज नशा समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। नशा एक सामाजिक कुरीति है तथा सभी के सहयोग से ही इसे खत्म किया जा सकता है। नशे की लत व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित करती है। व्यक्ति दृढ़ इच्छाशक्ति के सहारे अपने आपको नशे से दूर रख सकता है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को कहीं पर भी नशा बिकता हुआ दिखाई दें तो भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल एनसीबीमानस.जीओवी.इन और हरियाणा एनसीबी के टोल फ्री नंबर 90508-91508 पर बेफिक्र होकर सूचना दें, ताकि नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा सकें।

मेघवाल उत्थान समिति बावल ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन, रमेश बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

रेवाड़ी। ब्लॉक कार्यकारिणी का स्वागत करते समाज के लोग।

मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा की मीटिंग रविवार को बावल मुख्य कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें भागमल सिंह की अध्यक्षता में बावल ब्लॉक की कार्यकारिणी का गठन किया गया। मंच संचालन अशोक मेघवाल और समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने किया। बावल ब्लॉक से रमेशचंद्र को प्रधान, वरिष्ठ उपप्रधान महेंद्र गुजरीवास,उप प्रधान तेजपाल, लालचंद व रूडाराम, सचिव रविंद्र रायपुर सरपंच, सहसचिव सचिन बनीपुर व अमन जेपी खेड़ा, खजांची रामअवतार झाबुआ तथा सतीश, बाबूलाल बिदावास, शुभराम, श्योराम, धनपत व भगवान टीकला को स्टार प्रचारक चुना गया। संरक्षक वेदप्रकाश नांगल तेजू ने समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगों को समिति से जोड़ने की अपील की। अध्यक्ष सूरजभान ने कहा कि हरियाणा के हर जिले में मेघवाल उत्थान समिति का संगठन बनाया जाएगा। शिक्षाविद अशोक मेघवाल ने समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने पर बल दिया। इस मौके पर सचिन बनीपुर, सावंतसिंह सरपंच, परमेश्वर, किशनलाल नंबरदार, विक्रम मास्टर बेरवाल, तेजपाल, धनपत, सुबेसिंह, रिछपाल, लक्ष्मीनारायण,अंकित, श्योराम, विशम्बर, रमेशचन्द्र,लालचंद, रमेश, हीरासिंह वैध, सतीश, शुभराम, बाबूलाल आदि रहे।

गो-रक्षक देवेंद्र की स्मृति में 13 जुलाई को फिदेड़ी में होगा वन महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

रेवाड़ी। शिव मंदिर में आयोजित बैठक में मौजूद सम्मान समिति के सदस्य।

गोरक्षक सम्मान समिति की ओर से रविवार को अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कृष्णा यादव प्रदेश सचिव गोसेवा संघ महिला विंग ने की। बैठक में गोरक्षक देवेंद्र यादव के नाम ने चौक का नामकरण करके सम्मान देने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राव इंद्रजीत सिंह केंद्रीय मंत्री, विधायक लक्ष्मण यादव व पूनम यादव चेयरपर्सन नगर परिषद सहित नगर पार्षदों का आभार व्यक्ति किया गया। इस अवसर पर सम्मान समिति के संयोजक रविंद्र आशावादी ने बताया कि 13 जुलाई को गो-रक्षक देवेंद्र यादव की स्मृति में गांव फिदेड़ी में वन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसका शुभारंभ साधु-संत करेंगे। वन महोत्सव में फूलों, फलों एवं छायादार के पौधे लगाए जाएंगे। इसके अलावा गोरक्षक के नाम से चौक के सौन्दर्यकरण की दिशा में फ्लाईओवर पर गोरक्षक देवेंद्र यादव,गोमाता, श्रीकृष्णा, भगवान शिव व नंदी के चित्र बनाए जाएंगे। इस कार्य में गोवंश, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक व राष्ट्रवादी संस्थाओं के सदस्य सहयोग करेंगे। बैठक में राजकुमार एवं श्याम सुंदर ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा सभी ने श्याम बाबा के श्री चरणों में नमन किया। इस मौके पर शीशराम यादव, मोहनलाल, हेडमास्टर जितेंद्र, दयानंद आर्य, ताजेंद्र पप्पू, दिनेश कुमार, रोहित यादव, सोनू पंच गुरावड़ा व हनी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

सरपंच सहित तीन पर लगाया घर में आग लगाने व गेंहू चोरी करने का आरोप, केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶। महेंद्रगढ़

गांव पाली निवासी एक व्यक्ति ने सरपंच सहित तीन अन्य पर उसके घर में आग लगाने व गेंहू चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चार नामजद पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आरोपित सरपंच का कहना है कि उनके ऊपर लगाए आरोप निराधार हैं। गांव पाली निवासी रतिराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अमन पसंद व कानून में विश्वास रखने वाला व्यक्ति है। उसने गांव पाली में अपनी रिहायश की हुई है तथा अपने बच्चों सहित रहता चला आ रहा है। वह मेहनत मजदूरी करके अपना व अपने परिवार का पालन पोषण करता है। गांव के सरपंच देशराज हमारे से चुनाव की रजिंश रखता हैं। उसने आपस में गिरोह बनाया हुआ है। वह व्हाटस्प ग्रुप पर धमकी देता है कि बावरिया जाति के लोग गांव की पंचायत करने के बावजूद भी चोरी को नहीं छोड़ रहे हैं। उनको वहां से तुरंत प्रभाव से भगाया जाए और उनके मकान को ध्वस्त किया जाएं। सरपंच व अन्य परिवार को बार-बार डराया व धमकाया गया कि आप यहां से चले जाओ नहीं तो पूरे परिवार को घर के अंदर आग लगाकर जिंदा चला देंगे। उन्होंने धमकी दी है कि राजस्थान व हरियाणा के चोरी के झूठे मुकदमें में तुम्हें फंसवा देंगे। इस डर की वजह से वह अपने परिवार के साथ गांव पाली से चला गया।

आरोप हैं निराधार

उस ऊपर लगाए आरोप निराधार व झूठा हैं। यह एक षड्यंत्र है। जो लोग आरोप लगा रहे हैं, वह गांव में चोरी करते हैं। इनको बार-बार कहा गया था कि गांव में चोरी न करें। इसी वजह से शिकायत की है।

-देशराज सिंह, सरपंच, पाली

रात 9 से 10 तक सुनेंगे मरीजों व नागरिकों की शिकायतें

नागरिक अस्पताल में और बेहतर होंगी स्वास्थ्य सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की दूरदर्शी नीतियों की बदौलत राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर बनाने के लिए कार्य हो रहा है। इसी कड़ी में नारनौल नागरिक अस्पताल में डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. विजय डबास की ओर से की गई एक अभिनव पहल ने स्वास्थ्य सेवाओं और रोगी देखभाल में सुधार की दिशा में एक नई मिसाल कायम की है।

डॉ. विजय डबास ने घोषणा की है कि वे सोमवार से वीरवार तक रात नौ बजे से 10 बजे तक अपने कार्यालय में उपलब्ध रहेंगे, ताकि मरीजों और अस्पताल के स्टाफ की समस्याओं और शिकायतों को सीधे सुना तथा हल किया जा सके। यह अपनी तरह की अलग पहल है, जो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन सेवा ही परम धर्म के सिद्धांत को मजबूत करने के संकल्प को दर्शाती है। यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन समस्याओं का निराकरण करेगी, जो अक्सर रात की पारी के दौरान सामने आती हैं। ऐसी समस्याओं को तुरंत हल करने की आवश्यकता होती है।

नारनौल। नागरिक अस्पताल।

मरीजों व स्वास्थ्य कमियों के बीच संवाद होंगे बेहतर

डॉ. विजय डबास का यह कदम प्रशासन, मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में मदद करेगा। इससे नागरिक अस्पताल नारनौल में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार व मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. आशा शर्मा ने भी इस पहल की सराहना की है। यह पहल न केवल नारनौल के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगी, बल्कि यह अन्य सरकारी अस्पतालों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बनेगी कि वे भी अपने नागरिकों की समस्याओं को सक्रिय रूप से सुनें और उनका समाधान करें।

खबर संक्षेप

सरकार के दमनकारी रवैये की कड़ी निंदा की

धारूहेड़ा। शहीद भगत सिंह यादगार कमेटी ने चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के आंदोलनकारी छात्रों की ओर से अपनी मांगों के समर्थन में 24 जून को आहूत की गई महापंचायत का पूर्ण समर्थन किया है और यूनिवर्सिटी प्रशासन व सरकार के दमनकारी रवैये की कड़ी निंदा की है। कमेटी के अध्यक्ष कॉमरेड रमेशचन्द्र व सचिव राकेश सैनी ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के छात्र 13 दिनों से अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। परंतु दुःख की बात है कि सरकार द्वारा गठित कमेटी छात्रों की मांगों को मानने की बजाए आंदोलन को समाप्त करने पर ज्यादा फोकस कर रही है। छात्र प्रतिनिधिमंडल ने कमेटी के साथ हुई वार्ता में साफ कर दिया है कि यूनिवर्सिटी वाइस चांसलर को हटाना होगा।

जनता जनार्दन शिव मंदिर में सुंदरकांड पाठ आज

रेवाड़ी। जनता जनार्दन शिव मंदिर एवं धर्मशाला के मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा दिवस के उपलक्ष्य में 23 जून दोपहर को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति से जयकुमार कौशिक ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मंदिर की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा दिवस के उपलक्ष्य में धार्मिक आयोजन किया जाता है। उन्होंने समस्त रेवाड़ी वासियों से सुंदरकांड पाठ में धर्मलाभ लेने का आह्वान किया है।

घर से काम पर गया युवक हुआ लापता

रेवाड़ी। कोरियर का कार्य करना वाला बूढ़पुर का एक 28 साल का युवक 19 जून को काम पर गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। अनजान नंबर से उसकी पत्नी के फोन पर आई मिस कॉल पर डायल करने के बाद उसके पति को पीटकर खाटूश्याम में छोड़ने की बात कही गई। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। सदर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बूढ़पुर निवासी नीलम देवी ने बताया कि उसका पति दीपक कोरियर का कार्य करता है। 19 जून को वह घर से खाना खाने के बाद दोपहर कोरियर के काम के लिए चला गया। शाम को उसने साढ़े 8 बजे उसने अपने पति को फोन किया, तो दीपक ने 10 मिनट में घर आने की बात कही थी। इसके बाद उसके पति का फोन स्विच ऑफ हो गया।

बीते साल की तुलना में इस बार ज्यादा नहीं चढ़ा रात का पारा

बढ़ती गर्मी ने लोगों का सुख चैन छीना दिन में उमस भरी गर्मी छुड़ा रही पसीना

रेवाड़ी। एक खेत में फव्वारों से सिंचाई करते किसान व रविवार शाम को छाए बरसात के बादल व नेहरू पार्क में बैठे लोग। फोटो :हरिभूमि

इस सप्ताह मानसून का आगाज होने की पूरी संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

उमस भरी दिन के समय लोगों का जमकर पसीना निकाल रही है। इस साल रात का तापमान अपेक्षाकृत कम बना रहा है, जिस कारण लोगों को रात के समय भारी गर्मी का सामना नहीं करना पड़ा है। बीते साल की तुलना में इस बार गर्मी के सीजन में पारा सामान्य से कम बना रहा है। मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल रहा है। इस सप्ताह मानसून की बरसात शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

रविवार को सुबह से ही आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर के समय एक बार आसमान साफ होने के बाद उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया। अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 36.5 डिग्री पर आ गया। रात का पारा 1.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 24.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जून माह के दूसरे पखवाड़े में दिन का तापमान सामान्य से कम है, परंतु हवा में 80 फीसदी तक नमी होने के कारण उमस लोगों को खूब परेशान कर रही है। कूलरों की हवा बेअसर साबित हो रही है। दिन भर लोगों के पसीन नहीं छूट रहे हैं। बीते साल 22 जून को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री और न्यूनतम 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

रात का तापमान बीते साल 32 डिग्री तक पहुंच गया था, जिससे लोगों को रात के समय भारी गर्मी का सामना करना पड़ा था। इस बार रात का तापमान तीन बार ही 27 डिग्री तक गया है। ज्यादातर यह 22 डिग्री या इससे नीचे ही रहा है, जिससे लोगों को रात के समय भारी गर्मी का सामना नहीं करना पड़ा है। रविवार को शाम के समय आसमान में बादल छा गए। कुछ इलाकों में हल्की बौछारें भी गिरीं। घने बादलों के चलते बारिश की संभावना बनी हुई थी।मौसम विभाग के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय हो चुका है और एक चक्रवातीय सकुर्लेशन पूर्वी पाकिस्तान से उत्तरी राजस्थान पर जल्द पहुंच जाएगा। मौसम प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश व कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश की संभावना बन रही है।

हरियाणा के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। एनसीआर में बादलों की आवाजाही में बढ़ोतरी होगी। उसके बाद जल्द मानसून की धमाकेदार एंट्री के साथ मानसून की शुरूआत हो जाएगी।

बिजली की खपत में कमी आने से राहत

मौसम में बदलाव के बिजली की खपत में 20 लाख यूनिट तक की कमी आ गई है। रात के समय पीक अवर्स में भी डिमांड कम हो गई है, जिससे लोगों को पावर कटों से राहत मिल गई है। इस समय बिजली की दैनिक खपत 75 लाख यूनिट के आसपास ही चल रही है। बीते सप्ताह यह 95 लाख यूनिट तक पहुंच गई थी। मौसम बाजरा और कपास की फसलों के लिए अनुकूल बना हुआ है। किसानों को सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ रही है। अच्छी बरसात से दोनों फसलों को फायदा होने की उम्मीद है।

रेवाड़ी। बहुउद्देश्यीय महिला स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की नवनियुक्त पदाधिकारी।

राजबाला बनी महिला स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की जिला प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित बहुउद्देश्यीय महिला स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के त्रिवार्षिक चुनाव नेहरू पार्क में कराए गए। कार्यक्रम की शुरूआत अंजूबाला ने की तथा मंच का संचालन राजबाला यादव ने किया। चुनाव अधिकारी के तौर पर महिला स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की राज्य प्रधान सुमित्रा बाई, स्टेट बॉडी के वरिष्ठ उपप्रधान मनोज सैनी व जिला सचिव विक्रम यादव ने टीम के साथ शिरकत की। चुनाव में जिले की सभी ब्लॉक कमेटी के सदस्य मौजूद थे। विचार-विमर्श के बाद सभी कर्मचारियों ने राजबाला यादव को सर्वसम्मति से जिला प्रधान और जागृती को सचिव नियुक्त किया। मनोज यादव को वरिष्ठ उपप्रधान, छिंदरपाल को उपप्रधान, सुनीता व सुमित्रा को चेयरपर्सन, लक्ष्मी व गायत्री को कैशियर, संजोग यादव को प्रेस प्रवक्ता, सुनीता को मुख्य संगठन कर्ता, पंकज को कानूनी सलाहकार, सुनीता यादव व मंजू को मुख्य सलाहकार सुनीता को सहसचिव, पूनम को ऑडिटर तथा रामरती व मनीषा को सह सलाहकार चुना गया।

गोसंवर्धन कानून के तहत एक आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। गत 27 मई को मुरादपुरी नहर के पास टाटा-407 गाड़ी से मुक्त कराए गए गोवंश मामले में एक आरोपी को कसोला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। गोरक्षा दल के सदस्य कसोला निवासी प्रकाश ने 27 मई को मुरादपुरी के पास गोकशी के लिए टाटा गाड़ी में भरे दो बैल पकड़कर पुलिस को सूचना दी थी। गाड़ी के पास मौजूद लोग मौका पाकर फरार हो गए थे। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर बैलों को गोशाला भिजवा दिया था। कई आरोपियों के खिलाफ गोसंवर्धन कानून के तहत केस दर्ज किया गया था। इस मामले में नूंह के आकेड़ा निवासी जावेद को गिरफ्तार किया है।

शिक्षकों ने लिया बालवाटिका का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यशाला के समापन पर मौजूद प्राइमरी शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी विद्यालय जाटूसाना में पांच दिवसीय बालवाटिका प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन किया गया, जिसमें जाटूसाना खंड व नाहड़ खंड के 80 अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रशिक्षक विकास, सतेंद्र, नरेंद्र व विनोद एबीआरसी ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत निपुण भारत मिशन के माध्यम से समस्त प्राथमिक विद्यालयों में बाल वाटिका कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। प्रशिक्षण के समापन पर शिक्षकों ने अपने-अपने अनुभव सांझा किए। जितेंद्र कुमार, मनोज कुमार व शशि बाला ने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया गया। प्रशिक्षण में राजकीय संस्कृत मॉडल प्राइमरी विद्यालय का बहुत विशेष योगदान रहा, जिसमें विद्यालय के मुख्य शिक्षक नरेंद्र कुमार ने अपनी टीम के साथ पूरा सहयोग किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डा. नरेंद्र सिंह प्राचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मौतला कलां ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि बालवाटिका का प्रशिक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि दुनिया के विकसित देशों में प्राइमरी अध्यापक का स्थान सर्वोच्च है। मंच संचालन नरेश चौहान ने किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्रभारी विवेक शर्मा भी उपस्थित थे।

कार्यस्थल पर मिलेगा पांच मिनट का योगा ब्रेक

रेवाड़ी। सरकार की ओर से वर्कप्लेस पर अनुकूल माहौल बनाने और कर्मचारियों को तनावमुक्त रहकर कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद करने के उद्देश्य से अब रोजाना कार्यस्थल पर वाई-ब्रेक देने का निर्णय लिया गया है। वाई-ब्रेक यानी योग के लिए ब्रेक। यह ब्रेक कार्य दिवस में पांच मिनट के लिए होगा। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि इस वाई-ब्रेक में कर्मचारियों को कुछ ऐसी क्रियाएं और योग के आसन करने होंगे, जिससे वह तनाव से मुक्त होकर और बेहतर तरीके से काम कर सकें। वाई-ब्रेक पांच मिनट का होगा। वाई-ब्रेक में शरीर को राहत के लिए आंखों, कंधों, कमर और अन्य अंगों के लिए क्रियाएं कराई जाएंगी।

वृक्ष केवल धरती का श्रृंगार ही नहीं बल्कि मनुष्य की मूल आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए संस्था के सदस्य।

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि आईएमए के पूर्व जिला प्रधान डा. दीपक यादव, नगर पार्षद संगीतलता वर्मा, नरेंद्र गुगनानी व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि पौधे लगाना दस गुणवान पुत्रों से भी अधिक लाभकारी बताया है। ये हमें शीतल छाया देते हैं, फल-फूल देते हैं व औषधियां प्रदान करते हैं। दूषित वायु कार्बन डाइऑक्साइड को पीकर बदले में प्राण वायु आक्सीजन देते हैं। पेड़-पौधे मनुष्य के लिए जीवन भर उपयोगी रहते ही है। प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव, प्रोफेसर सीएल सोनी, डा. बलबीर अग्रवाल व समाजसेवी मुकेश वर्मा ने कहा कि वृक्ष केवल धरती का श्रृंगार ही नहीं, बल्कि मनुष्य की मूल आवश्यकता है। पेड़ परमात्मा का अनमोल उपहार है। पर्यावरणविद् रीटा गेरा, महिला प्रधान निशा सीकरी, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज व सुनीता आर्य ने कहा कि घरों में तुलसी माता, गिलोय, पत्थरचट्टा, पोदीना व नींबू सहित अनेक औषधीय पौधे आसानी से उगाएं जा सकते हैं। यह पौधे बहुत सी बीमारियों में रामबाण का काम करते हैं।कार्यक्रम में प्रवक्ता देवेंद्र कुमार, जगदीश मखीजा, कपिल कपूर, प्रीति, पूर्वांशी, ओजस्वी, सोनिया कपूर, चेतन शर्मा, केएल कोहली, नरेंद्र शर्मा, प्रफुल्ल श्याम व उर्मिला मेहंदीरत्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

कैंप में 136 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमे मरीजों को निःशुल्क ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। कैंप में 136 लोगों की जांच करके उचित परामर्श दिया गया। शिविर में डा. एसपी यादव ने मेडिसिन, डा. सिद्धार्थ यादव ने हड्डीरोग, डा. पवन यादव ने न्यूरो सर्जरी, डा. गौतम यादव ने नेत्ररोग व डा. कोमल यादव ने दंतरोग के मरीजों की जांच की। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने मरीजों को फ्री फिजियोथेरेपी की सेवाएं प्रदान की। कैंप के आयोजन में प्रधान रामबीर यादव, डा.यशपाल यादव, जसवंत सिंह यादव, गोकल राम, प्रो सतीश यादव व राम सिंह ने सहयोग प्रदान किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

राजपूत सभा ने की समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने और समाज के उत्थान को लेकर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए राजपूत समाज।

रविवार को जिला राजपूत सभा की बैठक गांव कुंडल के शिव मंदिर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सभा के प्रधान महेंद्र सिंह ने की और मंच संचालन राजेश चौहान मायन ने किया। बैठक में समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने और समाज के उत्थान को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर गांव कुंडल की नीट की परीक्षा में सफल रही तीन छात्राओं निकिता, शिवानी व तनु शेखावत को सम्मानित किया गया, वही गांव के अंकित चौहान और मुकुल को आईआईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एडवोकेट अनिल अत्री ने नीट क्वॉलीफाई करने वाली तीनों बेटियों को 1100-1100 रुपये की नकद राशि प्रदान की। इस अवसर पर एडवोकेट नरेश चौहान राजगढ़ ने कहा क्षेत्र के होनहार बच्चे राजपूत समाज ही नहीं, बल्कि सर्व समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत साबित होंगे। सभा के प्रधान महेंद्र सिंह ने कहा कि आज की लड़ाई तलवार की नहीं, बल्कि कलम की है और कलम की लड़ाई से हर जंग जीतने के साथ समाज का उत्थान भी संभव है। इसलिए समाज के लोगों को लड़का-लड़की में भेदभाव न करके बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर नाहर सिंह, राजेश चौहान मायन,राजेंद्र सिंह,मान सिंह एडवोकेट, एडवोकेट नरेश चौहान राजगढ़,एडवोकेट दिनेश चौहान कुंडल, रोशन सिंह डवाना, मुकेश चौहान कनूका,सूबेदार राजसिंह धारण, गांव कुंडल के पूर्व सरपंच चंद्र प्रकाश, पूर्व सरपंच मनोज पहलवान, पूर्व पंच रतनसिंह, पंच वीरेंद्र सिंह, अनिल चौहान, वीरपाल सिंह, ब्रह्मपाल सिंह, कृष, कैलाश, जयवीर व मदन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विधायक को मांगपत्र सौंपते हुए अंबेडकर प्रोफेसर्स एसोसिएशन के सदस्य।

अंबेडकर प्रोफेसर्स एसोसिएशन ने मांगों को लेकर सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

रेवाड़ी। अंबेडकर प्रोफेसर्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के पदाधिकारियों ने रविवार को अपनी मांगों को लेकर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव से मुलाकात की। एसोसिएशन के प्रधान राजकीय महाविद्यालय तावडू में कार्यरत प्रोफेसर सुबेसिंह जाटव, राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा में कार्यरत सहायक प्रोफेसर डा. मनु कुमार भांडोरिया, राजकीय महाविद्यालय कोसली में कार्यरत सहायक प्रोफेसर डा. मंजीत सिंह, यशपाल लेक्चरर व समाजसेवी जगबीर सिंह ने विधायक को मुख्यमंत्री के नाम एक मांगपत्र सौंपा। प्रोफेसरों ने हरियाणा हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट में ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू करने, विद्यार्थियों की छात्रवृति समय पर दिए जाने, वंचित व अन्य अनुसूचित जाति के रिक्त पदों को शीघ्र भरने और उनके प्रमोशन में रिजर्वेशन लागू किए जाने सहित एचकेआरएन में रिजर्वेशन लागू करने की मांगे रखी। विधायक लक्ष्मण सिंह ने एसोसिएशन के सदस्यों को सभी मांगों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष रखने का आश्वासन दिया।

मांग पूर्व विधायक रणधीर सिंह कापड़ीवास सहित अनेक संगठनों के पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को समर्थन दिया

सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर धरने को मिल रहा समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण व मौजूद रणधीर सिंह कापड़ीवास। फोटो :हरिभूमि

रामगढ़ भगवानपुर में 200 बेड का सरकारी अस्पताल बनवाने की मांग को लेकर अस्पताल संघर्ष समिति का अनिश्चितकाल धरना छठे दिन भी जारी रहा। धरने पर ग्रामीणों को रोजाना राजनीतिक दलों व संगठनों का समर्थन मिल रहा है। रविवार को पूर्व विधायक रणधीर सिंह कापड़ीवास सहित अनेक संगठनों के पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को समर्थन दिया। सरकारी अस्पताल के निर्माण की मांग को लेकर गत दिवस ग्रामीण रविवार 29 जून को धरना स्थल पर महापंचायत करने का ऐलान भी कर चुके है। ग्रामीणों ने गांव की ओर से वाटर टैंक के लिए जमीन देने पर सरकारी अस्पताल के लिए कहीं और जमीन देखी जा रही है, जबकि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया था कि पंचायत वाटर टैंक निर्माण के लिए जमीन देती है, तो अस्पताल भी इसी गांव में बनवाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री की वादा खिलाफी से ग्रामीणों में भारी रोष है। उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। रविवार को धरना स्थल पर भारी संख्या में महिलाएं, नौजवान व बुजुर्ग मौजूद थे। संघर्ष कमेटी ने 29 जून को सुबह 10 बजे महापंचायत करने का भी निर्णय ले लिया है। ग्रामीणों ने आसपास के गांवों के लोगों व शहरवासियों सहयोग करके आंदोलन को मजबूत करने की अपील की है।

रविवार को अनेक संगठनों व राजनेताओं ने धरना स्थल पर आकर अपना समर्थन दिया। पूर्व विधायक रणधीर सिंह कापड़ीवास ने ग्रामीणों की मांग को समर्थन देते हुए कहा कि सरकार उनकी मांग पर अमल करें और रामगढ़ में ही सरकारी अस्पताल बनवाएं।

इन्होंने धरने पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया

इसके अलावा भारतीय किसान यूनियन चढूनी के प्रधान समय सिंह, सरोज यादव जिला अध्यक्ष जय किसान आंदोलन, पृथ्वी सिंह अध्यक्ष दिल्ली जय किसान आंदोलन, राजीव यादव प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली जय किसान आंदोलन, संदीप यादव स्वराज अभियान मीडिया प्रभारी अटेली व सतपाल चौधरी भारत जोड़ो आंदोलन पटौदी ने धरने पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया।